निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

विषय — यातायात जागरूकता
नाम —
कक्षा —
अनुक्रमांक — 45

रूपरेखा —

(i) प्रस्तावना
(ii) यातायात सुरक्षा
(iii) जीवन रक्षा
(iv) दुर्घटना के कारण
(v) सरकार द्वारा बनाये गये यातायात के नियम
(vi) उपसंहार ।

(i) प्रस्तावना —

यातायात के नियमों का पालन दुर्घटना से बचने के लिए अति आवश्यक है। यदि हम यातायात के नियमों का पालन नहीं करते हैं तो दुर्घटना स्वाभाविक हो जाती है। प्रत्येक राष्ट्र के सरकार ने यातायात के नियमों तथा उपनियमों को सुचारू रूप से बनाया है। यातायात के नियम के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति जो पैदल चलते हैं उन्हें अपने बाईं ओर से सदैव चलना चाहिए। और आगे-पीछे आने जाने वाले वाहनों को देखकर चलना चाहिए। मोटरबाईक वाले व्यक्तियों को एक समान चाल से चलना चाहिए। लगभग लोग जल्दबाजी में ज्यादा तेज चलते हैं जिससे दुर्घटना हो जाती है जैसे - बिल्ली, कुत्ता आदि जानवर वाहन के नीचे दब जाते हैं जिससे वे सड़कर बदबू करने लगते हैं और इससे वायु प्रदूषण हो जाता है। और आलसी व्यक्ति तो वाहन को चलाते समय सोने लग जाते हैं। जिससे भारी दुर्घटना घटित हो जाती है। तथा सरकार के जन - धन का भारी विनाश हो जाता है। इन सभी दुर्घटना से बचने के लिए यातायात के नियमों का पालन आवश्यक है। ताकि हर व्यक्ति सुखी रहे सम्पन्न रहें। यदि कोई व्यक्ति वाहन चला रहा है तो उसे किसी वाहन से आगे निकलने के लिए

Scanned By Scanner Go

सावधानी पूर्वक वाहन आगे बढ़ाना चाहिए। और - वाहन में लगी हुयी हार्न को बजा देना चाहिए। कई बार लोग बिना किसी काम के ही हार्न बजा देते हैं और उनके निकट के लोग चौंक जाते हैं इसलिए बिना किसी जरूरी काम के हार्न नहीं बजाना चाहिए। सरकार ने यातायात की सुरक्षा के लिए पुलिस को निर्धारित किया हुआ है। जहाँ कहीं भी भीड़ अधिक होती है वहाँ पुलिस वाहन को क्रम - क्रम से निकालते रहते हैं फिर वहाँ जाम की स्थिति नहीं उत्पन्न होती है और इसके अलावा सरकार ने सड़क पर तरह - तरह की बत्तियाँ लगाई हैं। जैसे - लाल बत्ती, पीली बत्ती, हरी बत्ती। लाल बत्ती जब भी चलती है तो वह हमें रुकने का आदेश देती है। पीली बत्ती के जलने पर चलने के लिए तैयार हो जैसा संकेत मिलता है। तथा हरी बत्ती के जलने पर आगे बढ़ने का आदेश मिलता है। ज्यादातर व्यक्ति इन नियमों का पालन करते हैं कुछ उन नियमों को तोड़ते हैं जिससे दुर्घटना सृष्टि होती है। अतः सुरक्षित बने रहने के लिए यातायात नियमों का पालन अति आवश्यक है। इसलिए कहा गया है -

"जान है तो जहान है"

(ii) यातायात सुरक्षा —

यातायात सुरक्षा बनाये रखने के लिए हमें स्कूटर बाइक चलाते समय हैलमेट का प्रयोग करना चाहिए और कार, बस आदि चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए जो हमें सुरक्षा प्रदान करते हैं तथा वाहन बिना हार्न ब्रेक आदि के बिना नहीं उपयोग करना चाहिए। हमें बाइक चलाते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि हम किस तरफ से चल रहे हैं और किस गति से चल रहे हैं हमें वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियम को ध्यान में रखना चाहिए। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो वाहक चलाते समय अर्थात जब वाहन चला रहे होते हैं तो मोबाइल पर बात कर रहे होते हैं

Scanned By Scanner Go

जिससे उनका ध्यान ड्राइविंग पर नहीं रहता है वे एक हाथ में मोबाइल लिये रहते है तो दूसरी हाथ से वाहन चलाते है फिर अचानक दुर्घटना हो जाती है जिससे यातायात नियमों का उल्लंघन होता है इसलिए कहा क गया है –

"दुर्घटना पर लगेगा ताला,
जब पहनोगे सुरक्षा की माला।

(iii) जीवन रक्षा —

जीवन की रक्षा के लिए यातायात के नियमों का पालन अति आवश्यक है यदि हम जीवित है तो सारा परिवार सुखी होता है लेकिन यदि किसी परिवार का कोई सदस्य जो घर का बड़ा हो किसी दुर्घटना मे उसकी मृत्यु हो जाये तो सारा परिवार टूट जाता है और अनेक कठिनाईयाँ सहनी पड़ती है और परिवार दुखयुक्त हो जाता है सारी जिम्मेदारियाँ छोटे लोगो के ऊपर आ जाती है छोटो के सिर पर किसी बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद नही रहजाता तथा उनके मार्ग मे विरोध उत्पन्न हो जाता है अत: हमे 18 वर्ष के बाद ही वाहन का उपयोग करना चाहिए इस नियम को सरकार ने लागू किया है तथा 'जीवन रक्षा' के ~~क~~ लिए यातायात नियमों का पालन आवश्यक है इसलिए कहा गया है–

"मरना है तो मरो वतन के लिए
iv लापरवाहियों मे मरने से क्या फायदा।"

(iv) दुर्घटना के कारण —

दुर्घटना के निम्नलिखित कारण होते है

(i) तेज चाल से वाहन चलाना दुर्घटना का एक महत्वपूर्ण कारण है कुछ ऐसे लोग होते है जो मोड़ आने पर भी ओवरटेक करते समय वाहन धीमा नहीं करते है जिससे दुर्घटना हो जाती है

(ii) कुछ लोग ऐसे होते है जो 18 वर्ष के नहीं हुये होते और वाहन चलाते है वे सरकार के नियम का उल्लंघन करते है उन्हे वाहन चलाने का अनुभव नहीं रहता है तब भी

Scanned By Scanner Go

वे वाहन चलाते हैं जो दुर्घटना का एक कारण है
(iii) लोग यातायात नियमों को ध्यान में न रखकर जल्दबाजी में आगे बढ़ना चाहते हैं जिससे यातायात दुर्घटना हो जाती है
(iv) इधर - उधर किनारा न देखना भी यातायात दुर्घटना का कारण है इसलिए कहा गया है - "दुर्घटना से देर भली"।

(v) सरकार द्वारा बनाये गये यातायात के नियम —

सरकार द्वारा बनाये गये यातायात के नियम निम्नलिखित है
(i) सरकार ने वर्ष से कम आयु वाले लोगों को वाहन चलाने से वर्जित 18 किया है।
(ii) सरकार ने ट्रैफिस आइलैण्ड की व्यवस्था की है।
(iii) सरकार ने सड़क के लिए लाल, पीली व हरी बत्ती सड़क की बीच में लगवाई है।

(vi) उपसंहार —

यदि हम सरकार के इन नियमों का पालन न करें तो दुर्घटना ही दुर्घटना होगी। प्रत्येक साल दुर्घटना की दर बढ़ती जाती है। इसका मुख्य कारण यातायात के नियमों पर ध्यान न देना है। प्रत्येक राष्ट्र के सरकार ने यातायात नियम तथा उपनियम बनाये है जिसका पालन अति आवश्यक है। लोग कहते है जान है तो जहान है। इसलिए जीवन अमूल्य है। इसे बचाकर रखना चाहिए।

Scanned By Scanner Go